प्रेस-विज्ञप्ति

अंधाधून बारिश के साथ चक्रवात का खतरा टला, दीव पूरी तरह सुरक्षित

दीव 07 नवम्बर, 2019: पिछले एक सप्ताह से दीव पर मंडरा रहा 'माहा-चक्रवात' का खतरा टल गया है, हालांकि अहले सुबह से हो रही बारिश के कारण दीव जलमग्न रहा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दीव और उसके आस-पास के क्षेत्र से 'माहा-चक्रवात' का खतरा समाप्त हो गया है। तूफान की रफ्तार और वायु-दाब के कम होने की वजह से चक्रवात का खतरा प्राय: समाप्त हो गया। परंतु दीव में सुबह से ही तेज बारिश होने लगी। प्रशासन ने सभी इंतजाम पुख्ता कर रखे थे। किसी को भी समुद्रतट पर जाने की इजाजत नहीं दी गई थी। अधिकांश लोग दिनभर अपने घरों में ही रहे। शाम तक बारिश थम गई। चक्रवात की संभावन के समाप्त होने के मद्देनजर दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने चक्रवात हेतु बनाये गये विविध टीमों के नोडल अधिकारियों को कार्यभार मुक्त कर दिया। इसके साथ ही नियंत्रण कक्ष को भी शाम 6.00 बजे के पश्चात बंद कर दिया गया। प्रशासन ने लोगों को उनके घरों में पहुँचाने का कार्य शुरू कर दिया जिन्हें लॉ-लाईंग एरिया से निकालकर राहत शिविरों में रखा गया था।

दीव समाहर्ता ने प्रेस-वार्ता के जरिये बताया कि आई.एम.डी. के 5.00 बजे शाम के रिपोर्ट के मुताबिक चक्रवात का खतरा दीव में पूरी तरह से टल गया है। मौसम साफ हो गया है। प्रशासनिक टीम के सहयोग से जिला प्रशासन ने सफलतापूर्वक चक्रवात से निपटने का कार्य किया। दीव के आम नागरिकों और होटल एशोसियेशन एवं माछीमारों एवं मीडियाकर्मियों ने सकारात्मक सहयोग देकर प्रशासन की सहायता की। उन्होंने बताया कि आज 80 मि.मी. बारिश हुई और आनेवाले दिनों के लिए खतरे का संकेत नहीं मिला है। फिर भी मौसम विज्ञान विभाग से जानकारी प्राप्त कर कल से सभी बंद की गई सेवाओं और क्रियाकलापों को शुरू कर दिया जाएगा एवं माछीमार भाईयों को समुद्र में जाने की अनुमति दी जाएगी।

चक्रवात के इस विषम क्षणों में संघ प्रदेश दमण-दीव एवं दानह के माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल जी ने कुशल मार्गदर्शन देकर जिला प्रशासन का हौसला बढ़ाया एवं दमण से वरिष्ठ अधिकारियों को दीव भेजकर हमारा सहयोग किया। आने वाले दिनों में दीव में स्वच्छता अभियान चलाकर दीव को पूर्ववत बनाया जाएगा।